शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

Email Id: *shodhmanthaneditor@gmail.com*

सम्पादकीय समिति

प्रो0 श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा,

डॉ0 विशेष गुप्ता, सेवार्निवित प्रो0, एम0एच0पी0जी0 कॉलिज, मुरादाबाद. *guptavishesh56@gmail.com*

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0,, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर *satyveer171@gmail.com*

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर. *vinod_kalra66@yahoo.com*

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी, *angelanamika22@gmail.com*

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद, *mailme.pujakapoor@rediffmail.com*

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0ए सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा, *kamnacmk78@gmail.com*

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस, *kdramjatton@yahoo.com*

डॉ0 वजिरा गुनासेन, भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन और प्रदर्शन कला विभाग, श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय, श्रीलंका *wajiragunasena@sjp.ac.lk*

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

In India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Out of India	$ 75.00 प्रति अंक	$ 300.00 वार्षिक

सम्पादकीय

मानव अपने जीवन के प्रारम्भ से ही शोध कार्य करता रहता है। जैसे–जैसे आयु बढ़ती है, शोध की उत्कृष्टता बढ़ती जाती है और क्षेत्र भी बदलता जाता है। शोध कार्य की गुणवत्ता मनुष्य की सोच व व्यापक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है जिसके लिए समय, शक्ति व श्रम के साथ–साथ संयोजन, समर्पण व प्रस्तुतीकरण भी आवश्यक होता है।

शोध मंथन कई वर्षों से अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इस अंक में धार्मिक दृष्टि से सम्बन्धित चिंतन परम्परा में विराट–पुरूष की जिज्ञासा, रामचरितमानस में रूणित रोगों की व्याख्या : एक समीक्षात्मक–विश्लेषण, श्री रामचरितमानस में अमृतमयी सीमा का चरित्रांकन, याज्ञवल्क्य स्मृति में दायविधान : एक ऐतिहासिक अध्ययन, उत्तराखंड के जोनसार–बावर क्षेत्र का प्रसिद्ध लोकोत्सव 'मरोज'–एक अध्ययन, वाल्मीकि समाज में शैक्षणिक एवं व्यवसायिक गतिशीलता, आदि शोध पत्र हैं। राजनीति से सम्बनिधत भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका का मूल्यांकन, भारतीय लोकतंत्र में महिला राजनीति की सहभागिता, आदि शोध पत्र हैं। भूगोल से सम्बन्धित जनपद अमरोहा (उ०प्र०) में गन्ने की फसल के अन्तर्गत कृषि क्षेत्रफल एंव संलग्न मानव संसाधन का भौगोलिक विश्लेषण, उत्तराखंड में आपदाएं एवं इनके प्रबन्धन का उपाय, शोध पत्र हैं। भाषा से सम्बन्धित हिन्दी की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता, बीसवीं शताब्दी में संस्कृत नाटक शोध पत्र हैं। समाज से सम्बन्धित महिलाओं के विरूद्ध हिंसा : एक अवलोकन, सशक्त नारी : सशक्त भारत, बाल श्रम सुधार कानून, नीतियां व कार्यक्रम, भारतीय अनुरक्षा एवं द्वितीय पोखरण विस्फोट – एक अध्ययन, आधुनिक लोकतान्त्रिक भारत के राष्ट्र निर्माण : डॉ० अंबेडकर की क्रांति, गौतम बुद्ध की नारी के प्रति दृष्टि : एक अध्ययन, देवबंद दारूल उलूम का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान : 1920 से 1947 ईसवीं के विशेष सन्दर्भ में, राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक एवं सहायक तत्व : एक मूल्यांकन, आधी आबादी का सत्य : 'और...और...औरत आत्मकथा के सन्दर्भ में, भारत में बढ़ते बाल अपराध की समस्याएं तथा तीन तलाक और मुस्लिम महिला शोध पत्र हैं। सभी शोध पत्र शोध मंथन के नियमानुसार ही लिखे गये हैं। साथ ही, सम्बन्धित विषय के तीन विषय महारथियों से शोध पत्र प्रकाशन हेतु तार्किक आधार पर स्वीकृति प्राप्त की गई ताकि गुणवत्ता से कोई समझौता ना हो सके।

शोध पत्र लेखकों, संपादक व प्रकाशक के साथ–साथ विषय विशेषज्ञों की महती भूमिका के कारण ही यह जर्नल अपनी पहचान इतने कम समय में बनाने में सक्षम हो सका है। हमारा प्रयास है कि भविष्य में इस जर्नल को प्रसिद्धि व सफलता की उच्चतम सीढ़ी तक पहुंचा सकें। आप सभी से जर्नल को उत्कृष्टता प्रदान करने हेतु सुझाव सादर आमन्त्रित हैं। विश्वस्तरीय शोध पत्रों की प्रतीक्षा में,

सम्पादक मंडल

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 8.783 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XIII No. III **July-Sept. 2022**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

58. माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की भावात्मक बुद्धि, एवं तनाव एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन
डॉ० रेखा राणा, गीता कुमारी 349

59. बुद्ध के धम्म में है सभी सामाजिक समस्याओं का समाधान
डा० अरविन्द सिंह 354

60. उत्तराखण्ड़ के कुमाऊँ व गढ़वाल मण्ड़ल में पलायन का आर्थिक स्तर पर प्रभाव
डा० विनय चंद्र, पुष्पा पोखरिया 361

61. वाल्मिकी समुदाय परम्परागत एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य में
डॉ० संगीता अठवाल 370

62. सूचना व्यवसायी के रूप में पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका
संजय शाहजीत, डॉ० कल्पना चन्द्राकर 376

63. कृत्रिम आवश्यकतायें एवं उपभोक्ता मनोवृत्ति
प्रो० नन्दलाल मिश्र, डॉ० कल्पना चन्द्राकर 381

64. बुद्धत्व की व्याख्या
डा० साहब सिंह 386

65. रवीन्द्रनाथ टैगोरः मानवतावादी, अन्तर्राष्ट्रीयवादी, प्रकृतिप्रेमी
ऐश्वर्या सिंह 389

66. माध्यमिक स्तरीय बच्चों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिणिक उपलब्धि पर कामकाजी एवं गैर–कामकाजी माताओं के प्रभाव
डॉ० कुँवर पाल सिंह, डॉ० प्रमिला रानी 400

67. भारत में विकास और पर्यावरण
डॉ० हरीश कुमार 406
68. सांची की बौद्ध कला में नगरीय रूपांकन
डा० अरविन्द कुमार राय 415
69. जनपद बागपत में भूमि उपयोग प्रतिरूप में परिवर्तन का भौगोलिक अध्ययन
डा० स्वाती कुमारी 421
70. पारिवारिक संयुक्ता की प्रवृत्तियाँ
डॉ० सत्येन्द्र सिंह 430
71. कुसुम कुमार के नाटक (संस्कार को नमस्कार, लश्कर चौक, सुनो शेफाली) में स्त्री चेतनाः एक दृष्टि
डॉ० पूनम सिंह, श्रीमती राधा सैनी 438
72. सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिकाः एक समाजशास्त्रीय विचार–विमर्श
डॉ० विपिन कुमार, डॉ० सत्येन्द्र सिंह 445
73. राजस्थान की हस्तकलाएँ व शिल्पकलाएँ
विधि 451
74. बैंगा जनजाति में सामाजिक, संस्कृतिक स्थिति में परिवर्तन एक सजाजशास्त्रीय अध्ययन छःग के कोरिया जिले के सानहत विकासखण्ड के विशेष सन्दर्भ में
बिक्की राम, कंचन जैसवाल 459
75. नियोग
डॉ० अमित जैन 467
76. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में जीवन–मूल्य
डॉ० पूनम भारद्वाज 473
77. प्रागैतिहासिक चित्रकला में प्रतीकात्मकता
मनोज कुमार 477